



अर्जुन और जादुई तलवार

Umer Shah



एक धूप वाले दिन, 12 साल का बहादुर अर्जुन अपनी चंचल दोस्त, बातूनी लोमड़ी लाली के साथ रहस्यमयी जंगल में खेल रहा था अचानक, पेड़ों के बीच से एक सुनहरी चमक निकली, और अर्जुन ने मिट्टी में दबी एक चमकती हुई तलवार देखी, जो उसे अपनी ओर खींच रही थी।



जैसे ही अर्जुन ने तलवार को छुआ, वह गर्मजोशी से चमक उठी और लाली ने अपनी छोटी सी पूंछ हिलाते हुए बोलना शुरू कर दिया। उसने बताया कि यह एक जादुई तलवार है और दुष्ट जादूगर कालराज राज्य पर कब्जा करना चाहता है। लाली ने अर्जुन से कहा कि वे ही उ रोक सकते हैं।



अर्जुन ने बहादुरी से तलवार पकड़ी, और लाली उसकी बगल में खड़ी थी, दोनों की आँखों में दृढ़ संकल्प था। उन्होंने मिलकर कालराज को रोकने और राज्य को बचाने का फैसला किया। उनकी महान साहसिक यात्रा अब शुरू हो चुकी थी, जंगल का रास्ता उनके सामने फैला हुआ था।



गहरे जंगल में, अर्जुन और लाली को एक जादुई भूलभुलैया का सामना करना पड़ा जिसमें चमकते हुए मशरूम थे। लाली ने अपनी तेज़ सूझबूझ का इस्तेमाल किया, जबकि अर्जुन ने तलवार की रोशनी से रास्ता दिखाया, और वे हँसते हुए उस भूलभुलैया से बाहर निकल गए।



उन्होंने आखिरकार कालराज के महल के बाहर कदम रखा। महल काला और डरावना लग रहा था, लेकिन उसकी मीनारें टेढ़ी-मेढ़ी और अजीबोगरीब थीं, जैसे किसी कार्टून की। अर्जुन और लाली ने एक-दूसरे की ओर देखा, उनके चेहरों पर थोड़ी घबराहट लेकिन बहुत सारा साहस था।



वे चुपचाप महल में घुस गए, लाली अपनी फुर्ती से फुर्ती से सरक रही थी और अर्जुन जादुई तलवार को कसकर पकड़े हुए था। उन्हें सो हुए पहरेदारों और अजीबोगरीब जादुई जाल से बचना पड़ा, जिससे महल के अंदर की हवा रहस्यमयी लग रही थी।



महल के सबसे ऊँचे कमरे में, उन्होंने कालराज को पाया, जो एक विशालकाय कड़ाही में कुछ अजीबोगरीब घोल मिला रहा था, जिससे हर रंग का धुआँ निकल रहा था। कालराज एक अजीबोगरीब टोपी पहने हुआ था और उसकी आँखें शरारती थीं। अर्जुन ने तलवार ऊपर उठाई, उसकी चमक से कमरा जगमगा उठा।



एक ज़ोरदार लड़ाई शुरू हो गई! कालराज ने अजीबोगरीब मंत्र फेंके जिससे रंगीन धुआँ और अजीबोगरीब जीव निकले। अर्जुन ने अपना जादुई तलवार को घुमाया, जिससे रोशनी की किरणें निकलीं, और लाली अपनी पूंछ हिलाते हुए दुश्मनों को विचलित कर रही थी।



अपनी बहादुरी और लाली की चतुराई से, अर्जुन ने कालराज के सबसे शक्तिशाली मंत्र को उसकी ओर मोड़ दिया। जादूगर एक चमकद बुलबुले में फंस गया, और उसकी दुष्ट हँसी एक छोटी सी फुसफुसाहट बदल गई, जिससे वह पूरी तरह से शक्तिहीन हो गया।



अर्जुन और लाली विजयी होकर लौटे, और पूरे राज्य में खुशी छ गई। जंगल फिर से चमक उठा, और शांति लौट आई। अर्जुन और लाली एक साथ खड़े थे, उनकी दोस्ती और साहस ने यह साबित कर दिया कि सबसे छोटे नायक भी सबसे बड़ी बुराई को हरा सकते हैं।